कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (7) खण्ड -{13}

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न सं 1- जिनके पास...........का विशेष गुण है,उनके पास सर्व गुण स्वतः आते जायेंगे।

A- धैर्यता

B- हर्षितमुखता

C- सन्तुष्टता

D- सहनशीलता

प्रश्न सं 2- तुम बच्चों को बाप समझाते हैं कि कोई आवाज नहीं करना है।सिर्फ .... से याद करना है।

A- एकाग्र होकर

B- बुद्धि

C- दिल

D- मन

प्रश्न सं 3- ब्रह्मा बाप भी आप सबको क्या देने के लिए अव्यक्त बनें?

A- सहयोग देने

B- ज्ञान देने

C- पवित्रता देने

D- गुण- शक्तियां

प्रश्न सं 4-.................बनना है तो अपने सर्व रिश्ते एक प्रभू के साथ जोड़ लो।

A- फरिश्ता

B- स्नेही

C- सहजयोगी

D- अशरीरी

प्रश्न सं 5-आत्मा भी बिन्दी, बाप भी बिन्दी और ड्रामा में जो बीत चुका वह भी.......

A- बिंदी

B -आश्चर्यजनक

C- फुलस्टॉप

D- कॉमा

प्रश्न सं 6-.ज्ञान मार्ग का एक ही कौन सा अक्षर ?

A- मेरा बाबा

B- ओ. के

C- शुक्रिया बाबा

D- मुरली

प्रश्न सं 7- किन्हों का विशेष स्लोगन है कि "हो ही जायेंगे"?

A- सक्सेसफुल का

B- अलबेलापन का

C- दिलशिकस्त का

D- पास विद् आनर का

प्रश्न सं 8-यह ब्राह्मण जन्म ही किस के लिए है?

A- याद और सेवा

B- सहयोग

C- ज्ञान और योग

D- धारणा और सेवा

पार्ट (7) खण्ड {13} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1 C सन्तुष्टता

जिनके पास *सन्तुष्टता* का विशेष गुण है उनके पास सर्व गुण स्वत: आते जायेंगे। एक सन्तुष्टता की विशेषता और विशेषताओं को भी सहज अपने समीप लाती है।

सन्तुष्टता सदा सर्व प्राप्ति सम्पन्न है क्योंकि जहाँ *सन्तुष्टता* है वहाँ अप्राप्त कोई वस्तु नहीं।

उत्तर सं 2 B बुद्धि

राम नाम सत है अर्थात् परमपिता परमात्मा जो सत है उसका ही नाम लेना चाहिए। उसको राम कह देते हैं। माला भी राम-राम कह सिमरते हैं। राम-राम की धुनि ऐसी लगाते हैं जैसे बाजा बजाते हैं। *तुम बच्चों को बाप समझाते हैं कि कोई आवाज नहीं करना है। सिर्फ बुद्धि से याद करना है।* तुम जानते हो - जीते जी ईश्वर की गोद में आने से यह दु:ख रूपी दुनिया खत्म हो जाती है।

उत्तर सं 3 A सहयोग

जब बापदादा आपको सदा साथ देने के लिए आये हैं, परमधाम छोड़कर क्यों आये हैं? सोते, जागते, कर्म करते, सेवा करते, साथ देने के लिए ही तो आये हैं। *ब्रह्मा बाप भी आप सबको सहयोग

देने के लिए अव्यक्त बनें।* व्यक्त रूप से अव्यक्त रूप में सहयोग देने की रफ्तार बहुत तीव्र है, इसलिए ब्रह्मा बाप ने भी अपना वतन चेंज कर दिया। तो शिव बाप और ब्रह्मा बाप दोनों हर समय आप सबको *सहयोग* देने के लिए सदा हाज़र हैं।

उत्तर सं 4 A फ़रिश्ता

सभी के श्रेष्ठ स्थिति की झलक इस सूरत को फरिश्ता बना देती है। साधारण सूरत नहीं, फरिश्ता सूरत। तो फरिश्ता सूरत भी कितनी प्यारी है! फरिश्ते सभी को बहुत प्यारे लगते हैं। क्योंकि फरिश्ता सर्व का होता है, एक-दो का नहीं। बेहद की दृष्टि, बेहद की वृत्ति, बेहद की स्थिति वाला है। फरिश्ता सर्व आत्माओं के प्रति परमात्म सन्देश वाहक है। फरिश्ता अर्थात् सदा उड़ती कला वाला। फरिश्ता अर्थात् सर्व का रिश्ता एक बाप से जुटाने वाला है *फरिश्ता बनना है तो अपने सर्व रिश्ते एक प्रभू के साथ जोड़ लो।*

उत्तर सं 5 C फुलस्टॉप

लोग रिचेस्ट बनने के लिए कितनी मेहनत करते हैं और आप कितना सहज मालामाल बनते जाते हो। जानते हो ना साधन! सिर्फ छोटी सी बिन्दी लगानी है बस। बिन्दी लगाई, कमाई हुई। *आत्मा भी बिन्दी, बाप भी बिन्दी और ड्रामा फुलस्टाप लगाना, वह भी बिन्दी है।* तो बिन्दी आत्मा को याद किया, कमाई बढ़ गई। वैसे लौकिक में भी देखो, बिन्दी से ही संख्या बढ़ती है। एक के आगे बिन्दी लगाओ तो क्या हो जाता? 10, दो बिन्दी लगाओ, तीन बिन्दी लगाओ, चार बिन्दी लगाओ, बढ़ता जाता है। तो आपका साधन कितना सहज है! ''मैं आत्मा हूँ'' - यह स्मृति की बिन्दी लगाना अर्थात् खज़ाना जमा होना। फिर ''बाप'' बिन्दी लगाओ और खज़ाना जमा। कर्म में, सम्बन्ध-सम्पर्क में ड्रामा का फुलस्टाप लगाओ, बीती को फुलस्टाप लगाया और खज़ाना बढ़ जाता। तो बताओ सारे दिन में कितने बार बिन्दी लगाते हो? और बिन्दी लगाना कितना सहज है! मुश्किल है क्या? बिन्दी खिसक जाती है क्या?

उत्तर सं 6 B ओ.के

ज्ञान मार्ग का एक ही अक्षर है, कौन-सा अक्षर है? – *ओ. के. (OK)।* जैसे शिवबाबा गोल-गोल होता है ना वैसे ओ (O) भी

लिखते हैं। और के (K) अपनी किंगडम। तो ओ.के. माना बाप भी याद रहा और किंगडम भी याद रही। इसलिए *ओ. के*.... और ओ.के. लिखकर ऐसे नहीं रोज़ पोस्ट लिखो और पोस्ट का खर्चा बढ़ जाए।

उत्तर सं 7 B अलबेलापन।

अलबेला पन का विशेष स्लोगन है 'हो ही जायेगा'। आजकल अलबेलापन बहुत प्रकार का आ गया है। कोई के अन्दर किस प्रकार का अलबेलापन है, कोई के अन्दर किस प्रकार का अलबेलापन है। हो जायेगा, कर लेंगे.. और भी तो कर रहे हैं, हम भी कर लेंगे... यह तो होता ही है, चलता ही है... यह भाषा *अलबेलेपन* की संकल्प में तो है ही लेकिन बोल में भी है।

उत्तर सं 8 A याद और सेवा।

याद निरन्तर है, ऐसे ही सेवा भी निरन्तर है। अपने को निरन्तर सेवाधारी अनुभव करते हो? या 8-10 घण्टे के सेवाधारी हैं? *यह ब्राह्मण जन्म ही याद और सेवा के लिए है।* और कुछ करना है क्या? यही है ना! हर श्वांस, हर सेकण्ड याद और सेवा

साथ-साथ है या सेवा के घण्टे अलग हैं और याद के घण्टे अलग हैं?

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (7) खण्ड -{14}

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें...........

प्रश्न सं 1- अवस्था को स्थाई (एकरस) अचल बनाने का साधन क्या है?

A- निरन्तर योग

B- धारणा

C- ज्ञान और योग

D- योग और धारणा

प्रश्न सं 2-...............बनने वाले नॉलेज लेंगे, बीज भी बोयेंगे (सहयोगी बनेंगे), पवित्र भी रहेंगे लेकिन पढ़ाई पर पूरा ध्यान नहीं देंगे।

A- साधारण प्रजा

B- साहूकार प्रजा

C- रॉयल फैमिली

D- दास-दासी

प्रश्न सं 3- श्रीकृष्ण कुल में जाना है। श्रीकृष्ण है फुल पास, सम्पूर्ण.............?

A- चन्द्रमा

B- सूर्य

C- स्टार

D- बिन्दु

प्रश्न सं 4- द्वापर में भी आपके जड़ चित्र इतने.............बनते हैं जो कोई भी चित्रों के आगे जायेगा तो नमन करेगा।

A- गायन

B- ऊंच

C- महान

D- पूजनीय

प्रश्न सं 5- ....को याद करने से सारा ज्ञान आ जाता है ?

A- स्वदर्शन चक्र

B- बीज और झाड़

C- बाप और वर्से

D- सीढ़ी और चक्र

प्रश्न सं 6-और फल तो सतयुग में भी मिलेंगे और कलियुग में भी मिलेंगे लेकिन सेवा की भावना का प्रत्यक्षफल, प्रभू फल अगर अभी नहीं खाया तो सारे कल्प में नहीं खा सकते। यह फल ?

A- प्रभु फल है।

B- अविनाशी फल है।

C- सर्व सम्बन्धों के स्नेह के रस वाला फल है।

D- ईश्वरीय जादू का फल है।

प्रश्न सं 7- मीठे बच्चे - इस ज्ञान में .... का गुण धारण करना बहुत जरूरी है, कभी भी अपना अभिमान नहीं आना चाहिए, माताओं का रिकार्ड रखो।

A- गम्भीरता

B- नम्रता

C- निरहंकारिता

D- निराभिमानी

प्रश्न सं 8-क्या बनना सबसे ऊंचे ते ऊंची तकदीर है ?

A- ब्राह्मण

B- स्वदर्शन चक्रधारी

C- शिव वंशी

D- ब्रह्माकुमार ब्रह्माकुमारी

पार्ट (7) खण्ड {14} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1- A निरन्तर योग।

अवस्था स्थाई तब बनेगी जब *निरन्तर योग* में रहेंगे। योग टूटता तब है जब किसी में ममत्व है इसलिए नष्टामोहा बनो। बुद्धि को पवित्र बनाओ। ज्ञान की धारणा जब भी पवित्र बुद्धि में ही होती है इसलिए बुद्धि रूपी बर्तन स्वच्छ हो, बाप से योग जुटा रहे।

उत्तर सं 2- B साहूकार प्रजा।

राजधानी का मालिक बनने के लिए पढ़ाई पर पूरा ध्यान चाहिए। पढ़ाई से ही पद की प्राप्ति होती है। *साहूकार प्रजा बनने वाले नॉलेज लेंगे, बीज भी बोयेंगे (सहयोगी बनेंगे), पवित्र भी रहेंगे लेकिन पढ़ाई पर पूरा ध्यान नहीं देंगे।* पढ़ाई पर ध्यान तब हो जब पहले पक्का निश्चय हो कि हमें स्वयं भगवान् पढ़ाने आते हैं।

अगर पूरा निश्चय नहीं तो यहाँ बैठे भी जैसे भुट्टू हैं। अगर निश्चय है तो रेग्युलर पढ़ना चाहिए। धारण करना चाहिए।

उत्तर सं 3- A चन्द्रमा।

यह श्रीकृष्ण मायाजीत बन जगतजीत अर्थात् जगत का प्रिन्स बना। यह श्रीकृष्ण भी अपने अन्तिम जन्म में युद्ध के मैदान में थे। वैसे अब यह भी युद्ध के मैदान में हैं। तुम भी युद्ध के मैदान में हो। सब भक्त हैं ना, माया के बंधन में फँसे हुए हैं। रखवाला है भोलानाथ शिव। रक्षा करने आये हैं तो उनकी राय पर चलना है। *श्रीकृष्ण के कुल में जाना है। श्रीकृष्ण है फुल पास, सम्पूर्ण चन्द्रमा।* जब चन्द्रवंशियों का समय आता है तो वह अपना राज्य ले लेते हैं। तो नापास क्यों होना चाहिए? फुल पास होना है तो पुरुषार्थ करो।

उत्तर सं 4- C महान।

वर्तमान समय तो ब्राह्मण आत्मायें महान हैं ही, और भविष्य में भी सर्व श्रेष्ठ महान हो। *द्वापर में भी आपके जड़ चित्र इतने महान बनते हैं जो कोई भी चित्रों के आगे जायेगा तो नमन

करेगा।* इतनी आपकी महानता है जो आज दिन तक अगर किसी भी आत्मा को बनावटी देवता बना देते, लक्ष्मी-नारायण बनायेंगे, श्रीराम बनायेंगे, तो जब तक वह आत्मा देवता का पार्ट बजाता है, तो उस आत्मा को जानते हुए भी कि यह साधारण मनुष्य है, लेकिन जब देवता रूप का पार्ट बजाते हैं तो उस साधारण आत्मा को भी नमन करेंगे। तो आपके रूप की महानता तो है लेकिन नामधारी आत्माओं को भी *महान* समझते हैं।

उत्तर सं 5- B *बीज और झाड़।* तो सेकेण्ड में तुमको *सारा याद आना चाहिए – बीज और झाड़।* बाबा भी कहते हैं – आदि, मध्य, अन्त का मेरे पास ज्ञान है इसलिए ही मुझे ज्ञान का सागर, नॉलेजफुल, जानी-जाननहार कहते हैं।

उत्तर सं 6- D *यह ईश्वरीय जादू का फल है।* सभी प्रत्यक्षफल के अनुभवी आत्मायें हो? प्रत्यक्षफल खाकर देखा है? *और फल तो सतयुग में भी मिलेंगे और अब कलियुग के भी बहुत फल खाये। लेकिन संगमयुग का प्रभु फल, प्रत्यक्ष फल अगर अब नहीं खाया तो सारे कल्प में नहीं खा सकते।* बापदादा

सभी बच्चों से पूछते हैं - प्रभु फल, अविनाशी फल, सर्व शक्तियां, सर्वगुण, सर्व सम्बन्ध के स्नेह के रस वाला फल खाया है? सभी ने खाया है या कोई रह गया है? *यह ईश्वरीय जादू का फल है।* जिस फल खाने से लोहे से पारस से भी ज्यादा हीरा बन जाते हो। इस फल से जो संकल्प करो वह प्राप्त कर सकते हो। अविनाशी फल, अविनाशी प्राप्ति। ऐसे प्रत्यक्ष फल खाने वाले सदा ही माया के रोग से तन्दरूस्त रहते हैं।

उत्तर सं 7- A *गम्भीरता* मीठे बच्चे - इस ज्ञान में *गम्भीरता* का गुण धारण करना बहुत जरूरी है, कभी भी अपना अभिमान नहीं आना चाहिए, माताओं का रिगार्ड रखो" इसमें बड़ी गम्भीरता चाहिए और अभिमान नहीं आना चाहिए - मैं यह करता हूँ। जितना हो सके हर बात में माताओं को आगे रखना है। माता का रिगॉर्ड रखना है। सब चाबी माता के हाथ में होनी चाहिए। माता द्वारा समाचार आना चाहिए।

उत्तर सं 8- B - *स्वदर्शन चक्रधारी* स्वदर्शन चक्रधारी बनना - *यह है सबसे ऊंचे ते ऊंची तकदीर।* तुम ब्राह्मण अभी स्वदर्शन चक्रधारी बने हो। तुम अपनी भी तकदीर को जानते हो

तो सारे सृष्टि की भी तकदीर को जानते हो। बाबा आये हैं तुम बच्चों की हीरे समान तकदीर बनाने। स्मृति में रहे स्वयं भगवान हमारी तकदीर बनाने लिए पढ़ा रहे हैं तो तकदीर बनती रहेगी।